दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
MNN Mission of Truth
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े : www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-338 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,गुरुवार , 05 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

लापता हुए कॉमेडियन सुनील पाल 24 घंटे के अंदर मिले

मुंबई

जाने-माने कॉमेडियन सुनील पाल मंगलवार को लापता हो गए थे। इसकी सूचना सुनील की पत्नी ने मुंबई के सांताक्रुज पुलिस थाने में दी। आखिरकार पुलिस ने सुनील पाल से संपर्क किया और बातचीत में उन्होंने कहा कि वह आज (बुधवार) को मुंबई आएंगे। मालूम हो कि कॉमेडियन सुनील पाल अपनी कॉमेडी को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। लेकिन फिलहाल वह एक निजी कारण से चर्चा में हैं। सुनील पाल की पत्नी ने उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुनील पाल की पत्नी सरिता पाल ने मुंबई के सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में मंगलवार को अपने पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। सरिता पाल की ओर से दर्ज शिकायत में कहा गया, सुनील पाल आज घर नहीं आए। उनका फोन भी बंद है। उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका है। इसलिए मैं पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही हूं। चूंकि सुनील पाल एक कॉमेडियन हैं इसलिए वह कई बार शो के लिए मुंबई से बाहर जाते रहते हैं। अब इस घटना को लेकर सरिता पाल ने कहा है कि, उनके पति सुनील पाल संपर्क में हैं। मेरी सुनील पाल से बात हुई है। उन्होंने पुलिस से भी बात की है। जानकारी के मुताबिक, सुनील पाल शो के लिए मुंबई से बाहर गए थे। मंगलवार 3 दिसंबर को उनके घर लौटने की उम्मीद थी, पर वे नहीं आए। साथ ही उनसे कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा था। आखिरकार परेशान होकर उनकी पत्नी सरिता पाला ने थाने में शिकायत दर्ज करायी। लेकिन 24 घंटे के अंदर सुनील पाल का पता चल गया।

महाराष्ट्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट ने की आलोचना

नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को वकील और कार्यकर्ता सुरेंद्र गाडलिंग की वर्ष 2016 के सूरजगढ़ आगजनी मामले से संबंधित जमानत याचिका पर स्थगन मांगने के लिए महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। राज्य सरकार ने कुछ दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लंबित होने का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की खंडपीठ ने मामले की तात्कालिक सुनवाई पर जोर देते हुए कहा, ह्लयह कोई सामान्य मामला नहीं है। हमें इस पर सुनवाई करनी है। पीठ ने राज्य सरकार को अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। बम्बई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ की ओर से जनवरी-2023 में जमानत याचिका खारिज किये जाने के बाद गाडलिंग ने शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

याचिका दिसंबर 2016 की उस घटना से संबंधित है, जिसमें महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सूरजगढ़ खदानों से लौह अयस्क ले जा रहे 39 वाहनों को कथित तौर पर माओवादियों ने आग लगा दी थी। गढ़चिरौली पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

उपनिषदीय दर्शन बोध पुस्तक का सीएम ने किया विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रकाश सुमन ध्यानी द्वारा लिखित पुस्तक ह्यउपनिषदीय दर्शन बोधङ्क का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने ह्यउपनिषदीय दर्शन बोधङ्क पुस्तक के लेखक प्रकाश सुमन ध्यानी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे भारतीय वैदिक दर्शन और सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में एक नई पहचान स्थापित कर रहे हैं। इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने उपनिषद के जटिल और गूढ़ रहस्यों को साधारण तरीके से लिखा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को सबके समक्ष रखा है। उपनिषद भारतीय संस्कृति और दर्शन की अमूल्य निधि है, जिसने संपूर्ण विश्व को ज्ञान और चेतना का मार्ग दिखाया है। हमारी ज्ञान परंपरा संपूर्ण विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम के रूप में मानती है। उपनिषद आध्यात्मिक चितंन के स्रोत के साथ ही मानवता को व्यावहारिक जीवन दृष्टि भी प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से ज्ञान-विज्ञान आगे बढ़ रहा है, तब उपनिषदों और वेदों का ज्ञान हमारे लिए और भी प्रासांगिक हो जाता है। जीवन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच में आत्मा और ब्रह्मा की खोज निश्चित रूप से हमें प्रेरणा देने का कार्य करेगी। यह पुस्तक सभी को आत्म विकास, आत्म चिंतन और स्वयं की खोज के लिए भी प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश देवभूमि होने के साथ ही आध्यात्मिक चिंतन का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानन्द और ऋषि-मुनियों ने इस पुण्य धरा को अपनी शरण स्थली बनाया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक हमारी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि प्रकाश सुमन ध्यानी ने जीव विज्ञान की पढ़ाई कर आत्मज्ञान तक पहुंचकर ह्यउपनिषदीय दर्शन बोधङ्क पुस्तक लिखी इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि उपनिषद जैसे विषय पर व्याख्यान करना बड़ी बात है। आज भारत की आस्था, निधि और गौरव ह्यअध्यात्मङ्क की ओर आज पूरी दुनिया आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत के मूल में आध्यात्मिक इंटेलीजेंस है। आध्यात्मिक इंटेलीजेंस हमारे देश की ख्याति है। भारत दुनिया को अध्यात्म और योग का ज्ञान देने वाला है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी भूषण ने कहा कि ह्यउपनिषदीय दर्शन बोधङ्क पुस्तक के माध्यम से लेखक ने आम जनमानस को उपनिषद और वेदों से जोडे का सराहनीय प्रयास किया है। हमारे वेद उपनिषद और प्राचीन ग्रंथ 21वीं सदी की आवश्यकता बन रहे हैं। जीवन जीने की शैली हमारे ये ग्रंथ सिखाते हैं। भावी पीढ़ी को अपने नैतिक मूल्यों से जोडा जरूरी है। आसान भाषा में हमारे ग्रंथो को बच्चों और जनमानस के साथ जोडा जरूरी है। आत्मा का चिंतन और परमात्मा से जुड़ाव होना आवश्यक है। इस पुस्तक के माध्यम से इस दिशा में सराहनीय प्रयास किया गया है। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, भाजपा के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, ह्यउपनिषदीय दर्शन बोधङ्क पुस्तक के लेखक प्रकाश सुमन ध्यानी, गणेश खुगशाल एवं साहित्य से जुड़े लोग उपस्थित थे। पुस्तक विमोचन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी भूषण एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी उपस्थित थे।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए शाह से मिली प्रियंका

नयी दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करके उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में भूस्खलन के कारण लोगों के समक्ष खड़ी हुई स्थिति से उन्हें अवगत कराया और पीड़ितों की मदद के लिए जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया है। वायनाड लोकसभा सीट के लिए हाल में हुए उपचुनाव में भारी मतों से जीतकर संसद पहुंची श्रीमती वाड्रा ने बुधवार को श्री शाह से संसद भवन परिसर में उनके कार्यालय में मुलाकात के बाद पत्रकारों को को बताया कि उन्होंने श्री शाह से राजनीति से ऊपर उठकर वायनाड के लोगों की मदद करने का आग्रह किया है।

श्रीमती वाड्रा ने कहा,हमने गृह मंत्री जी से मिलकर उन्हें वायनाड के हालात से अवगत करवाया है। वहां के लोगों के जीवन पर भूस्खलन का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। लोगों के परिवार और घर उजड़ गए हैं और उनका जीवन बहुत मुश्किल हो गया है ह्व

उन्होंने कहा, इन हालातों में केंद्र सरकार अगर कुछ न करे, तो लोग किससे उम्मीद करेंगे। हमने गृह मंत्री जी से अपील की है कि राजनीति को परे , वायनाड के लोगों की मदद की जाए। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वहां पीड़ितों से मिले थे तब लोगों को मदद की उम्मीद जगी थी लेकिन अभी तक कोई मदद नहीं मिल पाई है ह्व

श्रीमती वाड्रा ने कहा, ह्ल मैंने श्री शाह से वायनाड के लोगों की राजनीति से ऊपर उठकर मदद करने का आग्रह किया है। बाढ़ के कारण सबके घर, पाठशालाएं सब बह गई हैं और इसी को देखते हुए गृहमंत्री से मानवता के आधार लोगों की मदद का आग्रह किया है। इस मामले में राजनीति से ऊपर उठकर वायनाड के पीड़ितों की मदद की जानी चाहिए। हमने प्रधानमंत्री के साथ ही गृहमंत्री को ज्ञापन दिया है और सरकार से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने आश्वासन दिया है कि वह लोगों की समस्या से अवगत हैं और जितना हो सकता है इस मामले में उनकी मदद करेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा हित सर्वोपरि रख कर चीन के साथ आगे बढ़ेंगे : जयशंकर

नयी दिल्ली

सरकार ने भारत एवं चीन के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल 2020 के पूर्व की स्थिति बहाल होने को ह्यसुधार की दिशाह्ल बताते हुए बुधवार को स्पष्ट किया कि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना एक पूर्व-आवश्यकता है और अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए ही आगे बढ़ेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज राज्यसभा में चीन के साथ 21 अक्टूबर को हुए समझौते तथा उसके बाद भारत एवं चीन के द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को लेकर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा, ह्लमैं सदन को भारत चीन सीमा क्षेत्रों में हाल ही में घटी कुछ घटनाओं और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूँ। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल की घटनाएँ, जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दशार्ती हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है।

विदेश मंत्री ने निकट भविष्य में चीन के साथ संबंधों की दिशा में अपनी अपेक्षाएँ साझा करते हुये कहा ह्ल हमारे संबंध कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारे संबंधों के विकास के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है। आने वाले दिनों में, हम सीमा क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन के साथ-साथ तनाव कम करने पर भी चर्चा करेंगे। विघटन चरण के समापन से अब हमें अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए, अपने द्विपक्षीय संबंधों के अन्य पहलुओं पर विचार करने का अवसर मिला है।

महाराष्ट्र में सस्पेंस खत्म, विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को चुना नेता

5 दिसंबर को लेंगे सीएम पद की शपथ, पीएम मोदी समेत कई नेता होंगे शामिल

मुंबई,

महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर जारी सस्पेंस पर विराम लग गया है। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुन लिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को हुए थे। तब से सीएम को लेकर खींचतान चल रही थी जिस पर विपक्ष भी महायुति पर लगातार हमला बोल रहा था।

बैठक के बाद महाराष्ट्र के सीएम के नाम का एलान कर दिया गया है।

देवेंद्र फडणवीस को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना है। महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि हमें फडणवीस के नेतृत्व में चुनाव में जीत मिली है। वे राज्य के विकास के लिए काम करते रहे हैं। इसके बाद चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुगंटीवार ने फडणवीस के नाम का प्रस्ताव रखा। पंकजा मुंडे ने उनके नाम का अनुमोदन किया।

राज्य के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी बैठक में मौजूद थे। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के नए सीएम होंगे। देवेंद्र फडणवीस 5 दिसंबर यानी गुरुवार को सीएम पद की शपथ लेंगे। बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में उनके नाम को अंतिम रूप दिया गया।

दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ करीब दो हजार अति महत्वपूर्ण व्यक्ति और 40 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस समारोह में कई केंद्रीय मंत्रियों और अन्य राज्यों के 19 मुख्यमंत्रियों तथा उपमुख्यमंत्रियों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

जजों की बर्खास्तगी का मामला: महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण रवैया न्यायोचित नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-पुरुषों को भी मासिक धर्म होता तो वह महिलाओं का दर्द समझते

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा छह महिला सिविल जजों की सेवाएं समाप्त करने के फैसले पर नाराजगी जताई है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की युगलपीठ ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि पुरुषों को मासिक धर्म होता तो वह महिलाओं की शारीरिक और मानसिक चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझ सकते।

पीठ ने कहा कि महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण रवैया न्यायोचित नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यदि महिलाएं किसी शारीरिक या मानसिक कारण से पीड़ित हैं, तो यह कहना उचित नहीं कि वे धीमी हैं और उन्हें बर्खास्त कर दिया जाए। यह समान मानदंड पुरुष जजों पर लागू करें, तब वास्तविकता का पता चलेगा।

बता दें मध्य प्रदेश में छह महिला सिविल जजों को उनके प्रोबेशन पीरियड के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे महिला न्यायिक अधिकारियों के प्रति असंवेदनशीलता का परिचायक बताया। इससे पहले 23 जुलाई 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को इन बर्खास्तगी के फैसलों पर फिर से विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि पीड़ित जजों के अभ्यावेदन पर निष्पक्ष और नए सिरे से विचार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि जिला न्यायपालिका के लिए टारगेट यूनिट बनाने जैसे उपाय उचित नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर को इस मामले की अगली सुनवाई तय की है।

यह मामला न केवल महिला जजों के साथ न्यायिक प्रणाली में भेदभाव को उजागर करता है, बल्कि इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि महिलाओं के लिए समान अवसर और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण क्यों जरुरी है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने इस विषय पर व्यापक बहस का आधार तैयार कर दिया है।

संसद का शीतकालीन सत्र : किसानों के मामले को लेकर राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र का यह दूसरा सप्ताह जिसमें बिना गतिरोध दोनों ही सदनों में काम-काज जारी है। गौरतलब है कि जारी गतिरोध समाप्त होने के बाद मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही शाम सात और राज्यसभा की कार्यवाही शाम छह बजे तक चली थी। बुधवार राज्यसभा में किसानों के मामलों को लेकर हंगामा हुआ, जिसके बाद विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट किया।

इससे पहले राज्यसभा में किसानों के मुद्दे को उठा रहे विपक्षी सदस्य किसान विरोधी यह सरकार, नहीं चलेगी नहीं चलेगी वाले नारे लगा रहे थे। आज राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने मिलिंद देवड़ा को जन्मदिन की बधाई देते हुए सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही सभापति धनखड़ ने सदस्यों से अपने नाम के आगे दर्ज प्रपत्र सदन पटल पर रखने की अनुमति प्रदान की। सभापति ने विभिन्न विषयों पर स्थगन प्रस्ताव के नोटिस मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि इनमें से कोई भी नोटिस ऑर्डर में नहीं है, इसी के साथ उन्होंने किसी भी नोटिस को अनुमति प्रदान नहीं की। इसके बाद ही विपक्षी सदस्यों ने किसानों और अडानी समूह से जुड़े मामलों को उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी और हंगामें के बीच सदन से वॉकआउट कर गए। लोकसभा में भी बुधवार को कार्यवाही सुचारु रुप से शुरू हो गई और प्रश्नकाल में भी सदस्यों ने हिस्सा लिया है।

संपादकीय

मुफ़्त की बड़ी कीमत

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन श्रृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है।

(चिंतन-मनन)

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऍसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है। प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना।

आधुनिक विकास और गंगा के अस्तित्व पर मंडराता संकट

-कुमार कृष्णन-

भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी गंगा जो भारत और बांग्लादेश में कुल मिलाकर 2510 किमी की दूरी तय करती हुई उत्तराखंड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुंदरवन तक विशाल भू भाग को सींचती है, देश की प्राकृतिक संपदा ही नहीं, जन जन की भावनात्मक आस्था का आधार भी है। 2071 कि.मी तक भारत तथा उसके बाद बांग्लादेश में अपनी लंबी यात्रा करते हुए यह सहायक नदियों के साथ दस लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के अति विशाल उपजाऊ मैदान की रचना करती है। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण गंगा का यह मैदान अपनी घनी जनसंख्या के कारण भी जाना जाता है। 100 फीट (31 मीटर) की अधिकतम गहराई वाली यह नदी भारत में पवित्र मानी जाती है तथा इसकी उपासना माँ और देवी के रूप में की जाती है। भारतीय पुराण और साहित्य में अपने सौंदर्य और महत्व के कारण बार-बार आदर के साथ वंदित गंगा नदी के प्रति विदेशी साहित्य में भी प्रशंसा और भावुकतापूर्ण वर्णन किए गए हैं।

वैज्ञानिक मानते हैं कि इस नदी के जल में बैक्टीरियोफेज नामक विषाणु होते हैं, जो जीवाणुओं व अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीवों को जीवित नहीं रहने देते हैं। गंगा की इस असीमित शुद्धिकरण क्षमता और सामाजिक श्रद्धा के बावजूद इसका प्रदूषण रोका नहीं जा सका है। आलम यह है कि इसे रोकने में सरकारी तंत्र का रवैया भी सुस्त है। तभी तो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मौखिक रुप से टिप्पणी करते हुए कहा है कि महाकुंभ मेले में करोड़ों लोग आते हैं, अगर सीवेज के मल-जल को गंगा में गिरने से नहीं रोका गया तो लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

गंगा बेसिन का लगभग 79 फीसदी क्षेत्र भारत में है। बेसिन में 11 राज्य शामिल हैं, जैसे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली। गंगा बेसिन से जुड़े सवालों को लेकर गंगा मुक्ति आंदोलन की ओर से बिहार के मुजफ्फरपुर के चंद्रशेखर भवन, मिठनपुरा में ₹गंगा बेसिन : समस्याएं एवं समाधान₹ विषयक राष्ट्रीय विमर्श में जुटे देश के आठ राज्यों और नेपाल के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर गंगा के सवाल पर देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय विमर्श के केन्द्र में नदियों का गाद से पेट भरना, प्रदूषण (औद्योगिक और नगरीय कचरा) पानी की कमी, बालू उठाव और खनन, नदी की जैव विविधता, ग्लेशियर का पिघलना, जलवायु संकट, कार्बन उत्सर्जन, पारिस्थितिकी असंतुलन, औद्योगिक क्रांति से पनपे विकास की विनाशकारी अवधारणा और जल जंगल जमीन पर जीने वाले समुदाय का अधिकार रहे। कार्यक्रम में ऑन लाइन जुड़कर आईआईटी कानपुर के प्रो. डॉ.राजीव सिन्हा, बीबीसी के चर्चित पत्रकार रहे राम दत्त त्रिपाठी, पूर्व सांसद एवं चौथी दुनिया के संपादक संतोष भारतीय, बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव रहे व्यास जी एवं विजय प्रकाश, उत्तराखंड के नदी कर्मी सुरेश भाई सहित तमाम लोगों की चिंता इस बात को लेकर रही कि आखिर विनाश का खेल कब तक जारी रहेगा। उत्तराखंड के सुरेश भाई का कहना था कि मध्य हिमालय में स्थित गौमुख ग्लेशियर में हो रहे बदलाव को समझना बहुत जरूरी है। समय रहते यदि इसके चारों ओर के पर्यावरण संरक्षण और संयमित विकास पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में बहुत बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। उत्तराखंड में गंगा के उद्गम आपदा और जलवायु परिवर्तन के चलते बुरी तरह प्रभावित हैं। इस भयानक स्थिति के बाद भी गंगा की एक महत्वपूर्ण धारा भागीरथी के उद्गम से ही गंगा की निर्मलता को लेकर एनजीटी ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी बात है कि भागीरथी के उद्गम में लाखों देवदार के पेड़ों पर संकट की तलवार लटक रही है। यहां चौड़ी सड़क बनाने के लिए घने देवदार के जंगल को काटने की तैयारी चल रही है। इस विषय को तो राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा बनाया जाना ही चाहिए और एक बार फिर देशवासी उद्गम से लेकर देश में जहां-जहां से गंगा बह रही है उन तमाम राज्यों से हो रहे प्रदूषण, अतिक्रमण, शोषण के खिलाफ एक बार फिर से ₹नदी बचाओ अभियान₹ की तर्ज पर एकत्रित होकर आवाज बुलंद करना चाहिए।

पूर्व सांसद अली अनवर का कहना था कि गंगा का सवाल धार्मिक मामला नहीं है, जिसका राजनीतिक दोहन किया जा रहा है, बल्कि यह सांस्कृतिक मामला है। धार्मिक भावनाओं का शोषण करने के लिए राजनीतिक दल के लोग तरह-तरह की बातें करते हैं। नमामि गंगे योजना के नाम पर पिछले 10 साल से लूट मची है। यह योजना एक तरह से फेल है। पैसे भ्रष्टाचारियों व ठेकेदारों की जेब में जा रहे हैं। यकीनन यह सब गंगा को मारने की योजना है। विकास का विद्रूप चेहरा जो सभ्यता और संस्कृति की पावन धारा में सड़ांध पैदा करने से बाज नहीं आता। इस विकास का लक्ष्य गंगा की पवित्रता और अविरलता सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि इसकी निगाहें गंगा सफाई के लिए आवंटित बजट की बंदरबांट पर ही ज्यादा टिकी है।

गंगा एक संस्कृति का नाम हैं इसलिए गंगा की लड़ाई संस्कृति बचाने की लड़ाई हैं। गंगा मुक्ति आंदोलन के संस्थापक अनिल प्रकाश कहते हैं कि गंगा की हत्यारी आधुनिक विकास की नीति हैं। दिल्ली के पत्रकार प्रसून लतांत कहते हैं कि योजनाएं जब तक जनता की अपेक्षा के प्रतिकूल होगी तो यही होगा। गंगा या नदी घाटी की सभ्यता को बचाने के प्रयास तभी सार्थक होंगे, जब गंगा पर आश्रित समुदाय से विमर्श कर योजनाएं बने। मधुपुर झारखंड के पर्यावरणविद सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम जी की चिंता बांधों को लेकर है, उनके अनुसार अमेरिका के केनंसी वैली के तर्ज पर कोलकाता बंदरगाह को साफ करने के लिए दामोदर को बांधा गया, तत्पश्चात फरक्का बराज बनाया गया। फरक्का बराज का विरोध उस वक्त इंजीनियर कपिल भट्टाचार्य ने किया था। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता अनिल प्रकाश ने गंगा समेत अन्य नदियों को दोहन से बचाने के लिए बड़े आंदोलन का आह्वान किया साथ ही कहा कि जब दूसरे देश में बांध तोड़े जा रहे हैं, तब वहीं आज भारत में विश्व बैंक से कर्ज लेकर बांध पर बांध बनने को हरी झंडी दी जा रही है। इसके मूल में राजनेता, नौकरशाही और ठेकेदारों का गठजोड़ है। सारा खेल कमीशन का है। इसके कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में लिप्त है। क्या कारण है कि बांधों के सवाल पर सरकारी कमेटी में शामिल विशेषज्ञों की राय को नजर अंदाज किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राजस्थान महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, भागलपुर, कहलगांव एवं नेपाल के दर्जनों ऐसे लोग शामिल हुए, जो पर्यावरण, नदी, जल-जंगल-जमीन को लेकर काम कर रहे हैं। इस मौके पर वीरेंद्र क्रांति वीर, हेमलता महस्के, अखिलेश कुमार, कृष्ण कुमार माढ़ी, आदित्य सुमन, गणेश, राजा राम सहनी, चंदेश्वर राम, बागमती संघर्ष मोर्चा से नवल किशोर सिंह, ठाकुर देवेंद्र, डॉ संतोष सारंग, जगरनाथ पासवान, राम एकबाल राय, अरविंद, कृष्णा प्रसाद, डॉ नवीन झा, श्याम नारायण यादव, राजीव, शाहिद कमाल ने शिरकत की। साथ ही फैसला लिया गया कि 22 फरवरी 2025 को गंगा मुक्ति आंदोलन के वर्षगांठ पर कागजी टोला कहलगांव, भागलपुर में पुनः देश भर से परिवर्तनवादी जुटेंगे और आगे की योजना बनाएंगे। गंगा मुक्ति आंदोलन ने कई मुद्दों के साथ बिहार की नदियों में फ्री फिशिंग एक्ट बनाने के आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया है। 1990 में बिहार सरकार ने पारंपरिक मछुआरों को नदी में निःशुल्क मछली पकड़ने का अधिकार दिया था, जिसे छल और फरेब से अब शिथिल किया जा रहा है। बिहार में अभी स्पेशल जमीन सर्वे भी चल रहा है। नदियों की जमीन का सीमांकन (चौहद्दी) और रकबा निर्धारित करने को लेकर अभियान चलाने की बात कही गयी। इसके साथ ही संकल्प लिया गया कि गंगा की अविरलता और निर्मलता बहाली के लिए, गाद के स्वाभाविक निदान के लिए फरक्का बराज को खोलने सहित सभी बांध बराज तटबंध को खत्म कर नदियों की प्राकृतिक अवस्था बहाल करने और किसी भी प्रकार का प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करने के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

-प्रियंका सौरभ-

भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं जिसमें पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण, अनुसंधान वित्त पोषण, संकाय विकास और विविधता पहल शामिल हैं। सरकार और उद्योग के सहयोग में वृद्धि से समर्थित नीतिगत सुधार, अधिक गतिशील, उद्योग-संरेखित और समावेशी एसटीईएम पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं। भारत में शिक्षा प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा तक असमान पहुँच, पुराना पाठ्यक्रम और अपर्याप्त धन शामिल है।

भारतीय संस्थानों से एसटीईएम स्नातकों के एक बड़े प्रतिशत में आवश्यक कौशल का अभाव है, जो उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है, लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का खतरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मजबूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल एक चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता बन गया है। प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दर्शाते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, जिसमें डेटा गोपनीयता और सुरक्षा शामिल है, को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करना और शिक्षा प्रौद्योगिकी उपकरणों के विकास में नैतिक प्रथाओं को सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण कदम हैं।

शिक्षण-केंद्रित संस्थानों के मूल्यांकन को अनुसंधान मेट्रिक्स से अलग करके, रैंकिंग अनुसंधान आउटपुट पर शिक्षण गुणवत्ता को प्रतिबिंबित कर सकती है, जिससे इन संस्थानों पर निम्न-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। शिक्षण संस्थानों को मूलभूत कौशल को मजबूत करने के लिए, विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों में, अनुसंधान पर शिक्षाशास्त्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित ₹शिक्षण ट्रैकर₹ शुरू किया जा सकता है, जिससे शिक्षाशास्त्र में रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों को अकेले अनुसंधान आउटपुट के बजाय अपने शिक्षण कौशल के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अनुसंधान संस्थान संयुक्त डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकते हैं, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अपना काम पूरा करने में मदद मिलेगी अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में अध्ययन। इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण एनआईटी सूरत और आईआईटी बॉम्बे के बीच सहयोग है, जो छात्रों को एक प्रमुख संस्थान में उन्नत अध्ययन पूरा करने की अनुमति देता है। सरकारी फंडिंग को शिक्षण संस्थानों के भीतर शिक्षाशास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए। ये केंद्र शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम विकास और एसटीईएम शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं के केंद्र के रूप में काम करेंगे, जिससे बड़े अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता के बिना प्रणालीगत सुधार होंगे। भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियाँ एक बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं जिसमें पाठ्यक्रम आधुनिकीकरण, अनुसंधान वित्त पोषण, संकाय विकास और विविधता पहल शामिल हैं। सरकार और उद्योग के सहयोग में वृद्धि से समर्थित नीतिगत सुधार, अधिक गतिशील, उद्योग-संरेखित और समावेशी एसटीईएम पारिस्थितिकी तंत्र बना सकते हैं। भारत में शिक्षा प्रणाली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें शिक्षा तक असमान पहुँच, पुराना पाठ्यक्रम और अपर्याप्त धन शामिल है। हालाँकि, इन चुनौतियों के बावजूद, देश में अच्छी तरह से सम्मानित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या बढ़ रही है और सरकार ने शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। शिक्षा में निरंतर निवेश के साथ, भारत में सीखने और ज्ञान का एक अग्रणी केंद्र बनने और अपने सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

पर्यावरण की चिंता बनता बढ़ता औद्योगिक कचरा

-विवेक रंजन श्रीवास्तव-

विकास का सूचक और अर्थव्यवस्था का आधार बनता बढ़ता मशीनीकरण आज आधुनिक जीवन के हर क्षेत्र को संचालित कर रहा है। आधुनिक जीवन मशीनों पर इस कदर निर्भर है कि इसके बिना कई काम रूक जाते हैं। इंटरनेट और मोबाइल दूरी व समय की सीमाओं को लांघ कर सारी दुनिया को अपने में समेटने का दावा करते हैं। इस यंत्र युग में सारी दुनिया में हिंसा, शोषण, विषमता और बेरोजगारी भी बढ़ रही है। स्वास्थ्य समस्याएँ और पर्यावरण विनाश भी अपने चरम पर हैं। दौड़ती-भागती जिंदगी में समय का अभाव प्रायः आम शिकायत रहती है। रिश्तों में कृत्रिमता और दूरियाँ बढ़ रही हैं। लोग स्वयं को बेहद अकेला महसूस करने लगे हैं। बढ़ती मशीनों ने मनुष्य की शारीरिक श्रम की आदत को कम करके स्वास्थ्य समस्याओं का आधार तैयार किया है। दूरदर्शी गांधीजी ने चेताया था कि-"अगर मशीनीकरण की यह सनक जारी रही, तो काफी संभावना है कि एक समय ऐसा आएगा जब हम इतने असमर्थ और लाचार हो जाएगे कि अपने को ही यह कोसने लगेंगे कि हम भगवान

इस्तेमाल करना क्यों भूल गए"। बढ़ता मशीनीकरण उपभोक्तावाद को बढ़ावा देकर समाज में विषमता की नींव को पुख्ता करता आया है। एक औद्योगिककृत अर्थव्यवस्था में अंधाधुंध बढ़ता मशीनीकरण वस्तुतः स्थानीय जरूरतों व सीमाओ को लांघकर व्यापक स्तर पर वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री या खपत को बढ़ाने की महत्वाकांक्षाओ से प्रेरित होता है। औद्योगिक कचरे को बढ़ाता है। ग्लोबल वार्मिंग को जन्म देता है। पर्यावरण प्रदूषण की ऐसी आग को जन्म देता है जिसे बुझाने वाला सचमुच कोई नहीं है. भोपाल गैस त्रासदी को वर्षो हो गए हैं। वहां पर पड़ा जहरीला अपशिष्ट प्रत्येक मानसून में जमीन में रिस कर प्रति वर्ष क्षेत्र को और अधिक जहरीला बना रहा है। कंपनी को इस बात के लिए मजबूर किया जाना चाहिये कि वह इसे अमेरिका ले जाकर इसका निपटान वहां के अत्याधुनिक संयंत्रों में करे परन्तु इसके बजाय सरकारें अब भोपाल ही नहीं बल्कि गुजरात में अंकलेश्वर व म.प्र. के पीथमपुर के भस्मकों में इसे जला कर इस औद्योगिक अति हानिकारक कचरे को नष्ट करना चाहती हैं।

आधुनिकीकरण के चलते गैस

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने से इकट्ठा हो रहे कचरे का निपटान भी सही ढंग से नहीं हो कर पा रही है। इस कारण पर्यावरण के खतरे भी अंधाधुंध बढ़ रहे है।

एक अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख टन ई-वेस्ट या इलेक्ट्रॉनिक कचरा बढ़ रहा है। इसमें देश में बाहर से आने वाले कबाड़ को जोड़ दिया जाए तो न केवल कबाड़ की मात्रा दुगुनी हो जाएगी, वरन् पर्यावरण के खतरों और संभावित दुष्परिणामों का सही अनुमान भी नहीं लगाया जा सकेगा।

प्रतिवर्ष भारत में बीस लाख कम्प्यूटर अनुपयोगी हो जाते हैं। इनके अलावा हजारों की तादाद में प्रिंटर, फोन, मोबाइल, मॉनीटर, टीवी, रेडियो, ओवन, रेफ्रिजरेटर, टोस्टर, वेक्यूम क्लीनर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, पंखे, कूलर, सीडी व डीवीडी प्लेयर, वीडियो गेम, सीडी, कैसेट, खिलौने, फ्लोरेसेंट ट्यूब, बल्ब, ड्रिलिंग मशीन, मेडिकल इंस्ट्रूमेंट, थमार्मीटर और मशीनें आदि भी बेकार हो जाती हैं। जब उनका उपयोग नहीं हो सकता तो ऐसा औद्योगिक कचरा खाली भूमि पर इकट्ठा होता रहता है, इसका अधिकांश हिस्सा जहरीला और खतरनाक होता है। कुछ दिनों पहले इस तरह के कचरे में खतरनाक हथियार व विस्फोटक सामग्री भी पाई गई थी।

इनमें धातुओं व रासायनिक सामग्री की भी काफी मात्रा होती है जो संपर्क में आने वाले लोगों की सेहत के लिए खतरनाक होती है। लेड, केडमियम, मरक्यूरी, एक्बेस्टस, क्रोमियम, बेरियम, बेटीलियम, बैटरी आदि यकृत, फेफड़े, दिल व

त्वचा की अनेक बीमारियों का कारण बनते हैं। अनुमान है कि यह कचरा एक करोड़ से अधिक लोगों को बीमार करता है। इनमें से ज्यादातर गरीब, महिलाएँ व बच्चे होते हैं। इस दिशा में गंभीरता से कार्रवाई होना जरूरी है मगर देश के लोगों की मानसिकता अभी कबाड़ संभालने व कचरे से आजीविका कमाने की बनी हुई है।

ऊर्जा उत्पादन हेतु ताप विद्युत संयंत्र, बड़े बाँध, प्रत्यक्ष और परोक्ष में बहुत अधिक मात्रा में औद्योगिक कचरा फैला रहे हैं। सौर ऊर्जा और

पवन ऊर्जा, ऊर्जा के बेहतरीन विकल्प माने गए हैं। राजस्थान में इन दोनों विकल्पों के अच्छे मानक स्थापित हुए हैं। सोलर लैम्प, सोलर

लोकप्रिय रहे हैं। एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ मिलकर टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड देश में (विशेषकर महाराष्ट्र में) कई करोड़ों रुपए के बड़े पवन ऊर्जा प्लांट लगाने की योजना बना रही है। इसी तरह से दिल्ली सरकार भी ऐसी कुछ निजी कंपनियों की ओर ताक रही हैं जो राजस्थान में पैदा होती पवन ऊर्जा दिल्ली पहुंचा सकें।

परमाणु ऊर्जा के निर्माण से पैदा होते परमाणु कचरे में प्लूटोनियम जैसे रेडियोएक्टिव तत्वों का यह प्रदूषण पर्यावरण में भी फैल सकता है और भूमिगत जल में भी इन्हें रोकना बहुत आवश्यक है।

एशियन डेवलपमेट बैंक ने हाल ही में गंगा के प्रदूषण को रोकने के लिए एक योजना तैयार की है। गंगा के किनारे के नगरों के पानी, सीवरेज, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सड़क, ट्रेफिक व नदियों के प्रदूषण को दूर किया जायेगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट में कहा है कि व्यापक औद्योगिक कचरे, भूमि का जरूरत से ज्यादा दोहन और सिंचाई के गलत तरीकों से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। मरूस्थलों के बढ़ते क्षेत्रफल के कारण लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं। रिपोर्ट में

बदलना पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है और विश्व की एक तिहाई जनसंख्या इसका शिकार बन सकती है। रिपोर्ट के अनुसार औद्योगिक संतुलन, कृषि के कुछ सरल तरीके अपनाने आदि से वातावरण में कार्बन की मात्रा कम हो सकती है। इसमें सूखे क्षेत्रों में पेड़ उगाने जैसे कदम शामिल हैं।

औद्योगिक अपशिष्ट से दिल्ली की जीवन धारा यमुना, इस कदर मैली हो चुकी है कि राज्य सरकार 1993 से ही 'यमुना एक्शन प्लान' जैसी कई योजनाओं द्वारा सफाई अभियान चला रही है, जिस पर करोड़ों-अरबों रूपए लगाए जा चुके हैं। किसी भी नदी को जिंदा रखने के लिए 'इको सिस्टम' की सुरक्षा उतनी ही जरूरी है जितनी उसमें बहते पानी की गुणवत्ता की।

पर्यटन जनित डिस्पोजेबल प्लास्टिक कचरे से बढ़ता प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुँच रहा है, जिस पर त्वरित नियंत्रण जरूरी है। सरकार ने रिसायकल्ड पॉलिथिन के उपयोग पर पाबंदी लगा रखी है। केवल नए प्लास्टिक दानों से बनी बीस माइक्रोन से अधिक की थैलियों का ही उपयोग किया जा सकता है। 25 माइक्रोन से कम की रिसायकल्ड प्लास्टिक की थैलियां और 25

थैलियों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी नदी-नाले, पाइप लाइन और पार्क आदि सार्वजनिक स्थलों पर इन थैलियों का कचरा डालने पर रोक रहेगी। नगरीय निकाय इन थैलियों के लिए अलग-अलग कचरा पेटी रखेंगे। पॉलीथिन के कारण सीवर लाइन बंद हो जाती है।

इस वजह से दूषित पानी बहकर पाइप लाइन तक पहुंचकर पेयजल को दूषित करता है जिससे बीमारियां फैलती है। इसे उपजाऊ जमीन में फेंकने से भूमि बंजर होती जाती है। कचरे के साथ जलाने से जहरीली गैसे निकलती हैं जो वायु प्रदूषण फैलाती है और ओजोन परत को क्षति पहुंचाती है। गाय बैल आदि जानवर पालीथिन में चिपके खाद्य पदार्थ खाने के प्रलोभन में पतली पालीथिन की पन्नियां भी निगल जाते हैं जो उनके पेट में फँस कर रह जाती हैं एवं उनकी मृत्यु हो जाती है। अतः पालीथिन पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है।

कहा जा सकता है कि औद्योगिक कचरा प्रगति का दूसरा पहलू है जिससे बचना मुश्किल है, पर उसके समुचित तरीके से डिस्पोजल से ही हम मानव जीवन और प्रगति के बीच तादात्म्य बना कर विज्ञान के वरदान

जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महा अभियान (पीएम- कुसुम) योजना के अंतर्गत आज बुधवार को जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाअभियान के तहत डीजल पंपसेट के स्थान पर सोलर पंपसेट में परिवर्तित करते हुए कृषको को योजना से लाभान्वित करके कृषि क्षेत्र के विकास एवं कृषकों की आय वृद्धि करने के लिए जागरूकता रथ हरिद्वार जनपद के जनपद के सभी ब्लाकों में भ्रमण करेंगे साथ ही ग्राम प्रधान से मिलकर ग्राम वासियों को जानकारी देंगे, जागरूकता रथ के साथ ही कनिष्ठ अभियंता और बोरिंग टेक्निकल टीम भी साथ हर ब्लॉक में जाएंगे , किसी भी उपभोक्ता को अगर रजिस्ट्रेशन करना हो तो पंजीकरण पत्र भी रथ में उपलब्ध है। कलेक्टर परिसर से जागरूकता रथ सबसे पहले बहादराबाद ब्लॉक उसके बाद लक्सर , खानपुर , रुड़की , भगवानपुर फिर नारसन ब्लॉक में लोगों को जागरूक करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इस योजना में किस को लखत का 20% अंशदान जमा करना है सोलर पंप सेट के प्रयोग से डीजल खर्च में होने वाली बाइक का लगभग ☐50000 प्रति वर्ष तक की बचत होगी, साथी सिंचाई कार्यों के उपयोग के अतिरिक्त उत्पादित ऊर्जा विद्युत ग्रेड को देने पर प्रतिवर्ष लगभग ☐30000 अतिरिक्त आय की संभावना है स्थापित संयंत्र का कंपनी द्वारा 5 वर्ष तक निशुल्क रखरखाव किया जाएगा , भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना है इसमें किसान वर्ग को अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, अधिशासी अभियंता विष्णु दत्त बेंजवाल, स०अभी० लघु सि० उपखंड हरिद्वार अफजल जमीर, स०अभी० लघु सि० उपखंड रुड़की आशीष ममंगाई,अपर सहायक अभी० जौनी कुमार,सफीक अहमद, कनिष्ठ अभी० बहादराबाद मौ० आशिफ आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय उद्योग मित्र समिति की बैठक जिला कार्यालय सभागार में सम्पन्न

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग मित्र समिति की बैठक जिला कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से समाधान किया जाये। समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें किसी भी प्रकार का कम्यूनिकेशन गैप न हो। क्षेत्रीय प्रबन्धक सिडकुल द्वारा पिछले बैठक में दिए गए अधिकांश निर्देशों का अनुपालन न करने पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी जाहिर की। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय प्रबन्धक सिडकुल के विरूद्ध बिन्दुवार आख्या बनाकर शासन को प्रेषित कराने के निर्देश महाप्रबन्धक उद्योग को दिये। उन्होंने सिडकुल क्षेत्र में अघोषित विद्युत कटौती न करने तथा विद्युत कटौती से पूर्व समय से सूचना उद्योग समूहों तक उपलब्ध कराने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने पिटकुल के विद्युत स्टेशन की क्षमता बढ़ाने हेतु कार्यवाही करने निर्देश सम्बन्धित सम्बन्धित अभियन्ताओं को दिये। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र रायपुर लकेश्वरी में स्ट्रीट लाइट लगवाने का प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को दिये। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र भगवानपुर में सीईटीपी प्लांट निर्माण हेतु फिजिबिलिटी चैक करने के निर्देश आरएम सिडकुल को दिये। उन्होंने बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति एवं पेयजल लाइन हेतु संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश जल संस्थान के अभियन्ताओं को दिये। उन्होंने सिडकुल स्थित सैक्टर 11 में कोई भी विद्युत पोल क्षतिग्रस्त न होने का सर्टिफिकेट देने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता यूपीसीएल को दिये। उन्होंने इब्राहीमपुर बालाजी मन्दिर के पास उद्योगों के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाईन शिफ्ट करने हेतु पिटकुल से पत्राचार करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने सिडकुल मेंटीनेन्स चार्जेज निस्तारण हेतु सिडकुल मेंटीनेन्स कमेटी की नियमित बैठकें आयोजित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने उपलब्ध बजट के आधार पर सड़कों की मरम्मत करने तथा आवश्यकतानुसार बजट की मांग करने एवं रोड निर्माण प्रस्ताव शासन में प्रेषित करने के निर्देश आरएम सिडकुल को दिये। इसके साथ ही विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, संयुक्त मजिस्ट्रेट आशीष मिश्रा, उप जिलाधिकारी अजयवीर सिंह, जितेन्द्र कुमार, गौपाल सिंह चौहान, महाप्रबन्धक उद्योग उत्तम कुमार तिवारी, एआरटीओ रश्मि पन्त सहित उद्यमि आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं में बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर रोष

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार।रोशनाबाद में अधिवक्ताओं के मध्य आज मानव अधिकार मंच की बैठक हुई। जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भाग लिया। इस गोष्ठी में बांग्लादेश में जो माइनॉरिटी विशेष करके हिंदुओं के साथ जो अत्याचार जो हत्याएं जो लूटपाट महिलाओं के साथ बलात्कार व हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। सभी अधिवक्ताओं ने इस पर चिंता व्यक्त की।

इस अवसर पर आरएसएस के प्रांत संपर्क प्रमुख सीए अनिल वर्मा ने आज की जो वर्तमान स्थिति बांग्लादेश की है उस पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक पत्र यूनाइटेड नेशन सचिव को भेजा गया तथा एक पत्र भारत के मा० राष्ट्रपति जी को भेजा गया। जिसमे बांग्लादेश में जो चल रहा है किसको तुरंत रोके जाने के लिए उचित कार्यवाही की जाए और वहां शांति बनाई जाए जिन लोगों का नुकसान हुआ है, उनको कम्पनसेट किया जाए , वहां की पूरी जांच हो और आवश्यकता पड़ने पर वहां शांति सेना पर लगाई जाए।

उन लोगों को इस पर काम करना चाहिए और भारत की सरकार को भी इस समय पर यह जो कठिन समय है। इस कठिन समय पर उचित एक्शन लेना चाहिए जिससे कि वहां पर अल्पसंख्यक हिंदुओं के प्राण बचाए जा सके , अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष दीपक ने कहा कि 10 दिसम्बर मानवाधिकार दिवस पर ऋषिकुल ग्राउंड से एक रोष मार्च निकलेगा जिसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। बैठक में अधिवक्ता परिषद की महामंत्री प्रियंका वर्मा जी , ज्ञानेश्वर ठकराल जी तरसेम सिंह चौहान उत्तम सिंह चौहान , राजीव सैनी , अमित शर्मा , पंकज दत्त शर्मा , शुभम आदि अधिवक्ताओं ने इसमें भाग लिया ,

कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर हरिद्वार पुलिस की सड़कों पर कसरत

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही के संबंध में एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिए गए निर्देश पर पूरे जनपद में लगातार कार्यवाही जारी है। रानीपुर कोतवाली द्वारा कल दिनांक 03.12.2024 की रात ऊम्क्ठड अठऊ ऊम्क्रए अभियान के दौरान बैरियर नं0 6 पर क्रेटा, वैगनआर कार व 01 मो0सा0 को चैक किया गया तो सभी वाहनों के चालक नशे की हालत में मिले।

चेकिंग के दौरान
पुलिस
कार्यवाही

सभी आरोपित चालकों का मेडिकल कर आरोपियों को धारा 185 एम0वी0 एक्ट में हिरासत में लिया गया व सभी वाहनों को 207 एम0वी0 एक्ट में सीज किया गया।

विवरण आरोपित-

1- आयुष चौहान पुत्र चन्द्रप्रकाश नि0 श्यामपुर ऋषिकेश जनपद देहरादून

2- लोकेश पुत्र नामो सिंह नि0 ग्राम कुण्डी खेडा बिहारीगढ सहारनपुर उ0प्र0 हाल रामधाम कालोनी रानीपुर हरिद्वार

3- दीपक त्यागी पुत्र कौशल त्यागी नि0 गाजियाबाद उ0प्र0 हाल मंत्रा कालोनी बहादराबाद हरिद्वार

स्वक्षता एवं पोषण दिवस के सुदृढ़ीकरण करण को लेके मिशन सशक्त VHSND अभियान का उद्घाटन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे द्वारा ग्राम स्वस्थ्य स्वक्षता एवं पोषण दिवस के सुदृढ़ीकरण करण को लेके ह्लमिशन सशक्त ल्रठऊअभियान का उद्घाटन किया गया

इस अभियान में जनपद के 10 लाख से अधिक आम जन मानस लाभान्वित होंगे, जिसमें 20 हजार से अधिक गर्भवतियों का पंजीकरण, टीकाकरण, प्रसव पूर्व जाँच, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन एवं उनका उपचार, आयरन एवं फोलिक एसिड का वितरण, मातृत्व पोषण पर परामर्श आदि सेवाएं शामिल हैं, इस कार्यक्रम में 01 लाख से अधिक 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को टीकाकरण, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन एवं उनका उपचार आदि सेवाएं प्रदान की जाएंगी, साथ ही इस कार्यक्रम में 20 हजार से अधिक धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं प्रदान की जाएंगी, एवं 10 से 19 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को हीमोग्लोबिन की जाँच, माहवारी के दौरान स्वक्षता पर परामर्श एवं आयरन फोलिक एसिड का वितरण आदि सेवाएं शामिल हैं उक्त सेवाओं से जनपद में मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य में गुणात्मक सुधार होगा एवं मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट आएगी इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यकी अधिकारी, सहायक जिला अर्थ एवं सांख्यकी अधिकारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि आदि शामिल रहे

कप्तान के नेतृत्व में हरिद्वार पुलिस कर रही नशा तस्करी पर प्रहार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए कड़े निर्देश पर हरिद्वार पुलिस सघन अभियान चलाकर संदिग्धों की पड़ताल कर रही है।

लगातार की जा रही इस कार्यवाही के चलते नशा तस्करी सहित विभिन्न वारदात और अपराधों में लिप्त असमाजिक तत्व पुलिस की गिरफ्त में आ रहे हैं। सघन चैकिंग के चलते मिल रही सफलता के क्रम में थाना कनखल पुलिस ने दिनांक 03-12-24 की रात बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बैरागी कैम्प हेलीपैड के पास वश 500 कार से 20 ग्राम से अधिक अवैध स्मैक व एक इलेक्ट्रोनिक तराजू की बरामदगी की गई। बी.ए. पास आरोपी चालक मुनाफे के लिए कुछ समय पहले ही स्मैक तस्करी व बिक्री के धंधे में जुड़ी था। शुरूआती सफलता मिलने पर आरोपी ने जल्द अमीर बनने की हसरत मन में पाल मुरादाबाद से हरिद्वार का रुख किया था लेकिन पहली ही बार में हरिद्वार पुलिस द्वारा धर लिया गया। बरामदगी के आधार पर पकड़े गए चालक व मुरादाबाद में स्मैक उपलब्ध कराने के आरोपी पैडलर के खिलाफ थाना कनखल में मुकदमा अपराध संख्या 378/24 धारा 8/21/60 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए वांछित ड्रग पैडलर की भी तलाश शुरू कर दी गई है।

5000 के ईनामी आरोपी को दबोच लाई हरिद्वार पुलिस

गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार बदल रहा था ठिकाने

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

माननीय न्यायालय के आदेश पर वादी द्वारा वादी की नाबालिक पुत्री का अपहरण कर, कमरे में बंद कर सामूहिक दुष्कर्म कर, अश्लील वीडियो बनाने व मारपीट गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

महिला व नाबालिक संबंधी मामलों को गंभीरता पूर्वक लेने हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिए गए कड़े दिशा निर्देशों पर काम करते हुए गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों पर दबिस दी गई आरोपी शातिर किस्म का था जो गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। जिसपर एसएसपी हरिद्वार द्वारा आरोपी पर ☐5000 का ईनाम घोषित किया गया। ईनामी आरोपी की गिरफ्तारी हेतु किए जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप पुलिस टीम द्वारा आरोपी अक्षय को पतंजलि से दबोचने में सफलता हासिल की। मु0अ0स0- 529/24 धारा 363, 376(ध), 341, 323, 504, 354(ख), 506 भादवि व 3(क)/4(2), 5(घ)/6 पोक्सो एक्ट

नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त

अक्षय पुत्र सहेन्द्र निवासी ग्राम बहादरपुर जट थाना पथरी जनपद हरिद्वार

शिवनगरी हरिद्वार में देर शाम तक बही काव्य सरिता

-दो दिवसीय शिवायन साहित्य महोत्सव शुरू

-महाकाव्य शिवायन समेत 12 पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वारः अंतरराष्ट्रीय साहित्य कला संस्कृति न्यास साहित्योदय के बैनर तले दो दिवसीय शिवायन अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का बुधवार को रंगारंग आगाज हुआ। इस दौरान बाबा भोलेनाथ के ससुराल हरिद्वार में देर शाम तक काव्य की गंगा बही, जिसमें श्रोता डूबते-उतराते रहे। करीब 12 सत्रों में विभिन्न राज्यों से आए कवि और कवयित्रियों ने काव्य पाठ किया। इस मौके पर भगवान शिव पर रचित काव्य ग्रंथ शिवायन समेत 12 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। श्री सुनील साहिल ने कहां तुम ही हो मयार्दा पुरुषोत्तम तुम ही हो घनश्याम बम बम भोले कहते-कहते आई तेरे धाम तथा सुंदर व्यंग प्रस्तुत करते हुए एक नेता जी के घुटने का ऑपरेशन हुआ तो डॉक्टर बोला अब इसका दिमाग चलने लगेगा सुंदर चुटकुला सुना कर माहौल को हंसी में तब्दील कर दिया

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान गणेश की वंदना 'दैणा हो जा खौली का गणेश' से हुई। इसके बाद साहित्योदय की उत्तराखंड इकाई की ओर से तैयार स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि और नगर विधायक मदन कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि हरिद्वार में साहित्यिक कार्यक्रम होना गौरव का विषय है। साथ ही भगवान शिव पर गीत रचने वाले सभी कवियों को उन्होंने बधाई दी। साहित्योदय परिवार के संरक्षक और प्रसिद्ध गीतकार बुद्धिनाथ मिश्र ने समाज में साहित्य की उपेक्षा पर चिंता जताई। आचार्य देवेन्द्र देव ने शब्दों की संरचना और उच्चारण पर जोर दिया। मुख्य आयोजक साहित्योदय के संस्थापक अध्यक्ष पंकज प्रियम ने कहा कि राष्ट्रचेतना, भारतीय सभ्यता, साहित्य, संस्कृति और संस्कारों के पुनरुत्थान हेतु साहित्योदय अपनी स्थापना काल से ही कृतसंकल्प है। सनातन धर्मरक्षार्थ प्राचीन वेद ग्रन्थों को सरल सहज काव्य रूप में जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बाबा बैद्यनाथ धाम में काव्याभिषेक, अयोध्या में जन रामायण, वृंदावन में कृष्णायण के पश्चात अब हरिद्वार में शिवायन महोत्सव का आयोजन किया गया है।

मीडिया प्रभारी दर्द गढ़वाली ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन शिवायन महाकाव्य, सत्य साधना, गङ्गा, महक माटी की, लफ्ज मुसाफिर, अंगूठे की मौत, कथामाल्य, मन के अँगना में, दोहा दर्पण समेत 12 से अधिक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। गुरुवार को समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में शाकम्भरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हृदय शंकर सिंह, पार्षद अनिरुद्ध भाटी के अलावा साहित्योदय की उत्तराखंड इकाई की अध्यक्ष शोभा पाराशर, संरक्षक इंदू अग्रवाल, निशा अतुल्य, अर्चना झा, सुनील पाराशर, राकेश रमण, मीरा भारद्वाज, बृजेंद्र हर्ष, अजय अंजाम, बेबाक जौनपुरी, वीणा शर्मा सागर, सुनील साहिल कवित्री नीरज वर्मा किशोरी किशोरी भूषण रजनी शर्मा चंदा सुनील साहिल बिंदु प्रसाद रिद्धिमा भारती कुमारी नीरज वर्मा राकेश रमन राज किशोरी भूषण पाठक श्री पंकज प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता सोनी साहित्यकार श्री बिहारी लाल दनोसी श्रीमती रुक्मिणी देवी श्री लक्ष्मी प्रसाद बडोनी प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शोभा पारसर श्री पंकज प्रियम आदि मौजूद थे।

हरिद्वार विश्वविद्यालय में पहली बार आयोजित हुआ लंदन प्रमाणित ट्रेनर डॉ. सेवलीन कौर का सत्र, साथ ही को-फाउंडर स्वाती शर्मा का मार्गदर्शन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार विश्वविद्यालय में पहली बार लंदन प्रमाणित ट्रेनर डॉ. सेवलीन कौर का सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने और उनकी सह-संस्थापक स्वाती शर्मा, सेवलीन इंग्लिश एकेडमी से, संचार कौशल को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को ऐसे कौशल से अवगत कराना था, जो उन्हें एक करोड़ रुपये तक का पैकेज हासिल करने में मदद कर सकें।

हरिद्वार विश्वविद्यालय के अध्यक्ष सीए एस.के. गुप्ता और उपाध्यक्ष नमन बंसल ने छात्रों को संचार कौशल के महत्व के बारे में बताया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.बी. सिंह ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए इस कार्यशाला के महत्व को उजागर किया। कार्यशाला में प्रो-वाइस चांसलर डॉ. आदेश आर्य ने कहा कि डॉ. सेवलीन कौर ने अब तक 5 सौ छात्रों को प्रशिक्षित किया है, ओर बहुत से छात्रों ने उद्योग में एक करोड़ तक का पैकेज प्राप्त किया है। उन्होंने छात्रों से इस प्रकार की कार्यशालाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया, ताकि वे भविष्य में अपने करियर में सफलता हासिल कर सकें।

इस कार्यशाला ने छात्रों को न केवल संचार कौशल की बारीकियों से परिचित कराया, बल्कि उन्हें अपने व्यक्तित्व को निखारने और उद्योग की मांग के अनुसार तैयार होने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में प्रो0वी0सी0 डॉ0 रमा भार्गव, डारेक्टर डॉ0 विपिन सैनी, रजिस्ट्रार सुमित चौहान, प्रो0 सोनिया शर्मा आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

भाकियू क्रांति कार्यकताओं ने भाजपा सरकार को बताया किसान विरोधी-किया

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की। उत्तराखंड सरकार को किसान विरोधी बताते हुए भाकियू क्रांति ने बुद्धि-शुद्धि यज्ञ किया। किसान नेताओं ने बकाया गन्ना भुगतान की मांग की और जल्द से जल्द गन्ना मूल्य घोषित करने की बात भी कही हे

शहीद भगत सिंह तिराहे पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने मंत्रोचारण के साथ हवन में आहुतियां डाली। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सिंह सैनी ने कहा कि सरकार किसानों की सुध लेने को तैयार नहीं है। समितियों में डीएपी खाद नहीं है। इसके साथ ही नया पेराई सत्र शुरू हुए कई दिन होने के बाद भी पिछले सत्र का बकाया गन्ना भुगतान अब तक नहीं हुआ। मिलें लगाता किसानों का गन्ना ले रही हैं लेकिन सरकार गन्ने का दाम घोषित करने को तैयार नहीं है। वहीं इकबालपुर शुगर मिल में अब तक पेराई शुरू नहीं की गई मिल क्षेत्र के किसानों की फसल खेतों में खड़ी है लेकिन अभी इसमें भी सरकार या प्रशासन कोई कदम नहीं उठा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि गन्ने का मूल्य 500 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए। कुक्का सिंह राजपूत ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा किसानों का शोषण किया जा रहा है, बकाया बिजली भुगतान पर उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं उन्होंने कहा कि जब किसानों का मिलो पर भुगतान बकाया है तो वह बिजली के बिल कैसे दे पाएंगे पहले सरकार को उनका भुगतान करवाना चाहिए। इस अवसर पर विनोद प्रजापति,कदम सिंह सैनी, कुक्का सिंह राजपूत, मुकेश कांबोज,सौरभ सैनी, अनुपम सैनी,शुभम सैनी, अरविंद पाल आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित जमालपुर कलां पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार ,मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्मित जमालपुर कलां पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि योजनान्तर्गत गुणवत्तायुक्त पेयजल की आपूर्ति की जाये, पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति एवं लाइन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसे तत्काल दूर करने के लिए टीम तैनात की जाये तथा टीम का सम्पर्क नम्बर भी सार्वजनिक किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के सभी पम्प हाउस की पेयजल गुणवत्ता का तुलनात्मक चार्ट उपलब्ध कराया जाये। इन निर्मित पेयजल टैंकों से पानी की आपूर्ति के बारे में ग्राम वासियों तथा ग्राम प्रधान से जानकारी भी ली गयी, गांव वासियों और ग्राम प्रधान ने बताया कि कहीं कोई परेशानी नहीं है पाइपलाइन में भी कोई दिक्कत समस्या नहीं है अगर कहीं भी कोई लीकेज होती है ती उसको तुरंत ठीक कर दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप पेयजल योजना के डब्ल्यूटीपी, इंटेकवेल , सीडब्ल्यूआर, क्लियर वाटर राइजिंगमेन, वितरण प्रणाली, हाउस कनेक्शन और जमालपुर कला के पूर्ण ले-आउट आदि की समीक्षा की ।

मुख्य विकास अधिकारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि जो पुरानी योजनाएं हैं उसका रखरखाव और ऑपरेटर जल संस्थान देख रहा है और जो नई योजनाएं बनाई गई है उसको सम्बन्धित कार्यदायी संस्था देख रही है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि योजनान्तर्गत अंशदान राशि वसूलने की कार्यवाही की जाये।

इस अवसर पर अधिशासी अभियन्ता जल निगम ने बताया की 500 तथा 4500 किलो लीटर क्षमता के दो टैंक बनाये गये हैं जिनसे 5 हजार परिवारों को कवर किया गया है।

इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सिविल राजेश कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियंता ईएनएम चारु अग्रवाल, एई भूपेंद्र सिंह फर्स्वाण, कांट्रेक्टर सौरभ गोयल, ग्राम प्रधान हरेंद्र सिंह, पीवीडीओ इंदु बाला, वार्ड मेंबर शाहनवाज शाह आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने निकाय चुनाव के लिए सभी 11 नगर निगम समेत नगर पालिका व नगर पंचायत में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को दी जिम्मेदारी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून 4 दिसंबर। भाजपा ने निकाय को लेकर निर्णायक रूप से आगे बढ़ते हुए चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति की है। जिसके तहत सभी 11 नगर निगम समेत नगर पालिका और नगर पंचायत में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निदेर्शों पर आगमी निकाय चुनाव के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। जिसके तहत देहरादून में कुलदीप कुमार, ऋषिकेश में दान सिंह रावत, हरिद्वार में ज्योति प्रसाद गैरोला, रुड़की में राम मोहन अग्रवाल, कोटद्वार राकेश गिरी, श्रीनगर रमेश गाड़िया, पिथौरागढ़ गोविंद पिलख्वाल, अल्मोड़ा प्रदीप बिष्ट, रुद्रपुर दीपक मेहरा, हल्द्वानी मनोज पाल, काशीपुर तरुण बंसल वहां के निगम चुनाव प्रभारी की भूमिका का निर्वहन करेंगे।

इसी तरह 45 नगर पालिका एवं 46 नगर पंचायत में होने वाले निकाय चुनाव को लेकर भी पार्टी नेताओं को जिम्मेदार दी गई है।

लक्सरनाबालिक बच्चे को शकुशल बरामद कर किया परिजनों के सुपुर्द

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर पुलिस के द्वारा नाबालिक बच्चे को तलाश कर उसको शकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया 4 दिसंबर 2024 को लक्सर क्षेत्र के तिलक पुरी भीक्कमपुर क्षेत्र में एक नाबालिक लडका घूमने की सूचना पर लक्सर पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस द्वारा मौके पर उक्त नाबालिक लड़के के संबंध में जानकारी करने की कोशिश की गई लेकिन उक्त नाबालिक बच्चा हकला कर बोलने के कारण बच्चे के संबंध में जानकारी सही नहीं मिल पाई ईस मौके पर पुलिस आसपास के लोगों व सोशल मीडिया व व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जुटाई जानकारी तो उस बच्चे की पहचान रवी पुत्र सतीश कुमार निवासी भवनपुर थाना देवबंद जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश उम्र 13 वर्ष के रूप में हुई जो अपने नानी मुन्नी देवी पत्नी राम स्वरूप निवासी शाहपुर शितालाखेड़ा थाना पथरी जनपद हरिद्वार में रह रहा था लेकिन रास्ता भटकने के कारण भीक्कमपुर लक्सर क्षेत्र में आ गया पुलिस नेफौरी तौर पर कारवाई कर बच्चे के सकुशल पाकर परिजनो व आसपास के लोगों द्वारा पुलिस की हृदय से शहराना कर परिजनों आपने बच्चे को साकुशल पाकर पुलिस को सैलुट किया है बच्चे को तलाश करने वाले पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी परभारी नरेंद्र सिंह कांस्टेबल संजय पवार विनय थापियाल अमित रावत विरेंद्र नथ्थी सिंह शामिल रहे

शुगर फैक्ट्री ने 30 करोड़ 23 लाख रुपए गन्ने का किया भुगतान किसानों के खिले चेहरे

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लक्सर शुगर फैक्ट्री के द्वारा 30 करोड़ 23 लाख रुपए किसानों का गन्ने का भुगतान कर दिया गया है राय बहादुर नारायण सिंह शुगर मिल लिमिटेड लक्सर द्वारा पराई सत्र 2024 25 के लिए 23 11 2024 से 30 11 2024 के दौरान की गई गन्ना खरीद के कुल मूल्य 30 करोड़ 23 लाख गन्ना अंकन भुगतान एवं गन्ना अंशदान 3 नवंबर से 30 नवंबर तक मिल प्रबंधन के द्वारा भुगतान कर दिया गया है शुगर मिल प्रबंधन एसपी सिंह के द्वारा बताया गया कि राय बहादुर नारायण सिंह शुगर मिल लिमिटेड लक्सर के द्वारा किसानी की परेशानी को देखते हुए हमारे द्वारा भुगतान किया जा रहा है उन्होंने किसानों से भी अपील की है कि आप सभी साफ गन्ना शुगर फैक्ट्री को दें जिससे हमें भी कोई परेशानी ना हो उन्होंने यह भी कहा कि मील के द्वारा प्रमाणित गन्ने की प्रजाति को बोने का काम करें और भुगतान हमारे द्वारा लगातार कर दिया जाएगा जिससे किसानों को कोई परेशानी ना हो

लण्ढौरा क्षेत्र में धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं मिट्टी के ओवरलोड डंपर, बाइक सवार चालकों के सर पर मंडरा रहा है खतरा...

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लण्ढौरा क्षेत्र में खनन माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद है, उनके द्वारा अनुमति की आड़ में डंपरो में ओवरलोड मिट्टी का परिवहन धड़ल्ले से किया जा रहा है।

राहगीरों का कहना है कि यह ओवरलोडेड डंपर दोपहर के समय भी धड़ल्ले से चल रहे हैं, जबकि दोपहर के समय बच्चों की स्कूल की छुट्टी होने का समय है और ऐसे में इन लापरवाह ओवरलोडेड डंपर चालकों की गलती से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। ये ही नहीं ओवरलोडिड मिट्टी के डंपरो से उड़ती हुई मिट्टी भी दो पहिया वाहन चालकों के लिए समस्या बनी हुई है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से इन्हें अनुमति तो दे दी जाती है लेकिन उसके बाद उनके कार्यों की जांच करना प्रशासन भूल जाता है, एक तो खनन माफिया ओवरलोडेड डंपर से भराव करते हैं दूसरे बिना अनुमति वाले स्थानों को भी मिट्टी से पाट देते हैं, जिससे राजस्व को तो भारी हानि होती ही है, वही परिवहन के दौरान मिट्टी उडकर अन्य वाहन चालकों की आंखों में भी जाती है, जिससे सड़क पर भी इनके चलने से दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। हालांकि अनुमति जारी के समयस्पष्ट निर्देश होते हैं कि सावधानी पूर्वक मिट्टी के डंपरों का संचालन किया जाए लेकिन अनुमति का कागज हाथ में लेते ही यह नियम तोड़ने में कोई कौर कसर बाकी नहीं छोड़ते। ऐसा ही लण्ढौरा क्षेत्र गाधारौणा इलाके में देखने को मिल रहा है, जहां कुछ लोगों द्वारा अनुमति तो ले ली गई, लेकिन इसकी आड़ में जमकर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि कब तक तहसील प्रशासन इनके खिलाफ कार्रवाई अमल में ला पता है या नहीं।

अवैध रेत , बजरी स्टॉक करने वाले प्रत्येक वर्ष उत्तराखंड सरकार को राजस्व का लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आपको बता दें त्रिमूर्ति नगर,सुभाष नगर के आसपास ज्वालापुर ईदगाह रोड में लगभग दर्जन से ज्यादा अवैध रेत, बजरी के स्टॉक करने वालों ने बिना लाइसेंस के रेत बजरी के स्टॉक बना रखे हैं। यह रेत बजरी, क्रेशर आदि बेचने वालों के हौसले इतने बुलंद है कि प्रशासन का भी उन्हें कोई डर नहीं है। उनका कहना है कि हमारे ऊपर तक सेटिंग है हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता । यह गोरख धंधा सरेआम चल रहा है, प्रशासन भी इनकी और कोई ध्यान नहीं दे रहा है ।

आसपास के लोग वह सड़क पर चलने वाले इसे बड़े परेशान हैं। आपको बता दें कि रेत, बजरी स्टॉक के विक्रेता रानी पुर झाल की सूखी नदी से बुगियो से सरेआम अवैध खनन करते दिखाई देंगे। गंगा नदी के रेत में और कोर्ससंड में मिलाकर बेचते हैं । यह भवन सामग्री विक्रेता लोगों को भी लूटने का काम कर रहे हैं । त्रिमूर्ति नगर वाल्मीकि बस्ती रोड पर दो बैकंट हाल बने हुए हैं जब किसी की शादी होती है तो उन्हें भी इनसे झूझना पडता है।

सघन चैकिंग अभियान जारी, अब तक 14 वाहनो के विरुद्व की गई कार्यवाही

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, हरिद्वार द्वारा जनपद में ओवर लोड, ड्रंकन ड्राईविगं, अवैध खनन के विरुद्व कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया, जिस पर लक्सर पुलिस व राजस्व पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा चैकिंग अभियान चलाकर लक्सर क्षेत्र में ओवर लोड़, ड्रंकन डाइविंग, अवैध खनन के विरुद्व कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के दौरान लक्सर क्षेत्र से नियम विरुद्ध पकड़े गए 14 वाहन चालको के विरुद्व कार्यवाही की गयी।

चैकिग के परिणाम

1-13 वाहन से 7500 रुपये संयोजनशुल्क
2-एक डम्फर सीज

अल्टीमेटम: भुगतान वापसी के नोटिस का अनुपालन न होने पर होगी एफआईआर

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम (यूपीआरएनएन) को आधी-अधूरी एवं गुणवत्तहीन निर्माणधीन आईटीआई भवनों के मामले में तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने यूपीआरएनएन को आधी-अधूरी एवं गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों के कारण भुगतान वापसी हेतु नोटिस जारी करने तथा नोटिस का अनुपालन नही होने की दशा में उनके विरूद्ध प्राथिमिकी रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही मुख्य सचिव ने उत्तराखण्ड पेयजल निगम को आईटीआई सुरक्षा निर्माण सहित सभी निर्माण कार्यो में दीर्घ अवधि के विजन तथा हॉलिस्टिक अप्रोच के साथ कार्य करने की कड़ी हिदायत दी है। उन्होंने आईटीआई के सुरक्षा निर्माण कार्यो के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम तथा बाउण्ड्री वॉल पर भी कार्य करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आईटीआई नारसन (हरिद्वार) में सुरक्षा निर्माण कार्यो के सम्बन्ध में व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक की अध्यक्षता के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने 187.3० लाख रुपए के प्रोजेक्ट लागत पर अनुमोदन देते हुए उत्तराखण्ड पेयजल निगम को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। आईटीआई में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्य सचिव रतूड़ी ने इस प्रोजेक्ट की 1० दिन के भीतर सिंचाई विभाग से टेक्नीकल परीक्षण करवाने के बाद निर्माण कार्य आरम्भ करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अगले मानसून से पहले निर्माण कार्यों को पूरा करने तथा आईटीआई कैम्पस की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आईएसबीटी, कारगी, टर्नर रोड का जाम और जलभराव का करना ही है निदान: डीएम

वाहन चालकों की अपनी मनमर्जी से निर्धारित नहीं होगे वाहन स्टापेज

निर्धारित स्टॉप पर ही सवारी भरें तथा उतारें वाहन, आरटीओ सुनिश्चित करेंगे व्यवस्था

नियम न मानने वालों के लाईसेंस संस्पेंड के साथ ही वाहन सीज करने की होगी कार्रवाई

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में आईएसबीटी में यातायात समस्या के समाधान के सम्बन्ध में रेखीय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। डीएमने आईएसबीटी पर अनाधिकृतरूप से वाहन खड़े होने पर रेखीय विभागों को लगाई फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। वहीं सड़क सुधारीकरण एवं डेज्नेज कार्यों में विलम्ब पर डीएम ने कहा बहाने बाजी के स्थान पर धरातल पर दिखना चाहिए सुधार ।डीएम ने आईएसबीटी पर अधिक जाम लगने का कारण पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि वहां पर वाहनों के सवारी चढाने-उतारने, अनाधिकृत रूप से पार्क होने पर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। जिस पर जिलाधिकारी ने एसपी यातायात एवं एआरटीओ को निर्देशित किया कि यदि आईएसबीटी के बाहर वाहन खडे.पाए जाने पर सबको सीज की कार्यवाही करते हुए रेंजर्स ग्राउण्ड में एकत्रित करें। साथ ही यूटीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित करें कि वाहन एन्ट्री एवं एक्जिट गेट का प्रयोग करें तथा परिसर के अन्दर से ही सवारी बैठाएं तथा उतारें। परिसर के बाहर सवारी चढाने-उतारने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सड़क चौड़ीकरण एवं जलभराव सुधार कार्यों में विलम्बर पर डीएम ने रेखी विभागों की कोई तकरीर नही सुनी। उन्होंने स्पष्ट निर्देशत दिए कि सड़क सुधारीकरण कार्य तत्काल शुरू करें तथा आईएसबीटी पर डेज्नेज कार्यों का सुधार अगली वर्षा से पूर्व किसी भी दशा में करना है, यह सुनिश्चित कर लें अधिकारी।इस दौरान जिलाधिकारी कारगी चौक, आईएसबीटी आदि आसपास के क्षेत्रों में पुलिस के ड्रोन कैमरे के माध्यम से संचालित यातायात व्यवस्था का सजीव प्रसारण देखा। जिलाधिकारी ने पाया कि आईएसबीटी परिसर के बाहर वाहन सड़क पर सवारी उतार और चढा रहें है तथा अनावश्यक वाहन भी सड़क बेतरतीब खड़े पाए गए। जिस पर जिलाधिकारी ने ऐसे वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाने के निर्देश सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित स्टापेज पर ही वाहन रूके, अपनी मर्जी से कहीं भी सवारी उतारने व चढाने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करें, परिवहन विभाग एवं आरटीओ।

बैठक में सड़क सुधारीकरण को नोडल अधिकारी व उप जिलाधिकारी सदर, अधिशासी अभियंता लोनिवि एवं अन्य अधिकारियों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण में कई बिन्दु सामने आए हैं, जिनपर सुधारीकरण की कार्यवाही की जाने हेतु बैठक बुलाई गई। अपर नगर आयुक्त बीर सिंह बुदियाल, नगर मजिस्टेज्ट प्रत्युष सिंह, पुलिस अधीक्षक यातायात मुकेश कुमार, अधि.अभि लोनिवि जितेन्द्र कुमार त्रिपाटी, प्रवीण करवाल, जीएम यूटीसी प्रवीन मेहरा, एजीएम के.पी सिंह, राजीव गुप्ता, एनएचआई देहरादून रोहित पंवार,एनएच से नवीन कौशक आदि उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी के कमद गांव में सामूहिक कार्यक्रमों में शराब पर प्रतिबंध

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, 4 दिसंबर 2024 उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के डुण्डा ब्लॉक के कमद गांव के लोगों ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ग्राम प्रधान उत्तरा देवी, महिला मंगल दल अध्यक्ष फूलमाला, युवा मंगल दल और ग्रामवासियों ने मिलकर एक बैठक आयोजित की, जिसमें शादी-विवाह, चूड़ा क्रम संस्कार और अन्य सामूहिक कार्यक्रमों में शराब पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव के अनुसार, कोई भी परिवार या व्यक्ति अपने घर के सामूहिक कार्यक्रमों में शराब वितरित नहीं करेगा। यदि किसी परिवार द्वारा शराब के सेवन की शिकायत मिलती है, तो उस परिवार पर 50,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा और ग्रामवासी उनके कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। इसके अलावा, दंडित परिवार को ग्रामवासियों के किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। गाजणा क्षेत्र के सिरी और उडरी गांवों में पहले से ही इस तरह के प्रतिबंध लागू हैं, और अन्य गांवों के लोग भी इन फैसलों की सराहना कर रहे हैं। शराब के सेवन से स्वास्थ्य और समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पूर्व में शादी समारोहों में शराब के कारण लड़ाई-झगड़े और डर का माहौल उत्पन्न हुआ था, जिससे आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। इस पहल की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है और इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। ग्रामवासियों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि सामाजिक समरसता भी बढ़ेगी। ग्राम प्रधान उत्तरा देवी ने कहा कि यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया है और इसका उद्देश्य गांव में शांति और सद्भाव बनाए रखना है। महिला मंगल दल अध्यक्ष फूलमाला ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और गांव का माहौल बेहतर बनेगा। युवा मंगल दल के सदस्य और अन्य ग्रामवासी भी इस निर्णय के समर्थन में हैं। उनका मानना है कि शराब के सेवन से होने वाले विवादों और हिंसा को रोकने के लिए यह एक आवश्यक कदम है। इस निर्णय के बाद, अन्य गांवों में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग उठ रही है। ग्रामवासियों का कहना है कि यदि सभी गांव इस तरह के कदम उठाएं, तो पूरे क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है।

सचिवालय घेराव के लिए उत्तराखंड आगमन पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब का देहरादून एयरपोर्ट पर स्वागत

देहरादून/आज भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब का उत्तराखंड आगमन पर देहरादून एयरपोर्ट में कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया ।

युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष के आज सुबह 9:00 बजे की इंडिगो फ्लाइट से देहरादून एयरपोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस व युवा कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकताओं द्वारा स्वागत किया गया ।

परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने बताया कि आज उत्तराखंड युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर सचिवालय घेराव किया जाएगा,जिस कार्यक्रम में युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब उपस्थित रहेंगे । इस घेराव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रदेश के हर जिले से हजारों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता देहरादून पहुंच रहे हैं । स्वागत करने वालों में उत्तराखण्ड कांग्रेस पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल,उत्तराखण्ड युवा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शिवि चौहान,राष्ट्रीय सचिव,कांग्रेस संचार विभाग वैभव वालिया,युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत भट्ट,कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर,राष्ट्रीय संयोजक कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग गौतम नौटियाल,कांग्रेस जिला महासचिव राहुल सैनी,आरिफ अली,शुभम काम्बोज,साहिल,राहुल आर्य आदि उपस्थित रहे ।

स्वयं उप जिलाधिकारी डोईवाला अपर्णा दोंडिययाल ने निरीक्षण किया गया

डोईवाला/निरीक्षण के दौरान उत्तम सिंह नेगी, अधिशासी अधिकारी एवं अखिलेश खण्डूड़ी, अवर अभियन्ता द्वारा कार्य के विषय मे आवश्यक जानकारियां उपलब्ध करायी गयी। उपजिलाधिकारी डोईवाला अपर्णा दोंडिययाल द्वारा कार्य की प्रगति पर सन्तोष व्यक्त करते हुए कार्य को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयअवधि मे पूरा करते हुए आम जनता को उपलब्ध कराये जाने के संबंध मे आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये। निरीक्षण के दौरान रविन्द्र सिंह पंवार, कर एवं राजस्व अधीक्षक, ठेकेदार हर्ष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद–ब–खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान–पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ–सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं– आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। **इनमें निम्न उपचार प्रमुख हैं :**

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पेरासिटामोल या आई ब्रुफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी–फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च–मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक हैं। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेंफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3–4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2–3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग–बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं ; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ्य फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के साधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1–2–3–4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1–2–3–4–5–6–7–8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। –घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40–50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार–बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार–बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे–बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा–सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने–पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है,और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

वोटों की फसल काटने संभल जा रहे थे राहुल', विपक्ष पर जमकर बरसे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

लखनऊ : कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी संभल हिंसा के पीड़ित परिवारों से मिलने संभल जाने वाले थे। लेकिन प्रशासन की ओर से इसकी अनुमति न मिलने पर वह दिल्ली वापस लौट गए। इस पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी वोटों की फसल काटने के लिए संभल जाना चाहते हैं। उन्हें प्रदेश केअमन-चैन से कोई मतलब नहीं है। वह सिर्फ अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। राहुल गांधी के संभल दौरे पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि राहुल गांधी वोटों की फसल काटने के लिए संभल जाना चाहते हैं। अखिलेश यादव तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। दोनों ही नेताओं को प्रदेश के अमन-चैन से कोई लेना-देना नहीं है। वे सिर्फ अपनी राजनीति चमका कर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ना चाहते हैं। जनता भी उनका असली आचरण जानती है।

डिप्टी सीएम ने सपा-कांग्रेस से संभल न जाने की विनती की

डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि संभल में धारा 144 लागू है। दोनों ही नेताओं से अनुरोध है कि वे प्रदेश की कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ न करें। आज का उत्तर प्रदेश विकसित राज्य होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। दोनों नेताओं को यह पच नहीं रहा है। जब संभल में पूरी तरह से शांति हो जाए, तब दोनों नेता जाएं और जनता से भेंट करें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि संभल के अपराधी विपक्षी पार्टी से जुड़े हैं। प्रदेश की जनता सपा और उनके नेताओं को कभी नहीं बख्शेगी। उन्होंने बताया कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। सपा और कांग्रेस के नेता प्रदेश के आमजन की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। आग में घी डालने के लिए संभल जाना चाहते हैं। उन्हें प्रदेश के अमन से कोई मतलब नहीं है सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंकना चाहते हैं। भाजपा की प्राथमिकता प्रदेश की 25 करोड़ जनता है। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज है। कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

हरदोई में तेज रफ्तार ट्रक और ई रिक्शा की जोरदार भिड़ंत, काफी दूर तक घिसटता रहा वाहन, हादसे में दो की मौत, चार घायल

हरदोई : उत्तर प्रदेश के हरदोई जिल में भीषण सड़क हादसा हो गया है। हरदोई के बिल्हौर कटरा हाईवे पर सांडी थाना क्षेत्र में लक्षन पुरवा गांव के आगे अनियंत्रित ट्रक ने सामने से आ रहे ई रिक्शा को टक्कर मार दी। उसके बाद ट्रक ई-रिक्शा को काफी दूर तक घसीट ले गया। हादसे में ई रिक्शा चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक ही परिवार के चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। हादसे के चलते हाईवे पर काफी लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद ट्रैफिक व्यवस्था संचालित किया जा सका। बता दें कि सांडी थाना क्षेत्र के चौधरिया पुर निवासी प्रमोद की पत्नी सुधा (35), पुत्री महिमा (16), पुत्र देव उर्फ लड्डू (12) व परिवार के ही महेश की पत्नी सुधा (38), पुत्र शोभित (14) यह सभी बुधवार की दोपहर के बाद गांव से ही ई-रिक्शा बुक करके फरुर्खाबाद जनपद के पटिया गांव एक शादी समाहरोह में शामिल होने जा रहे थे। थाना क्षेत्र के मानीमऊ निवासी गुफरान (25) ई रिक्शा चला रहा था। कटरा बिल्हौर हाईवे पर लक्षनपुरवा गांव के आगे सामने से तेज रफ्तार में आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने दूसरी साइड में आकर ई रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक ई-रिक्शा को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। जिससे ई रिक्शा चालक गुफरान व प्रमोद की 16 वर्षीय पुत्री महिमा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ई-रिक्शा में सवार महिमा की मां सुधा, भाई देव उर्फ लड्डू ताई सुधा व चचेरा भाई शोभित गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर काफी लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पर हालत नाजुक होने के कारण सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रेम प्रसंग का खौफनाक अंत, प्रेमी-प्रेमिका ने जहर खाकर ट्रेन से कटकर दी जान

मिजार्पुर (बृजलाल मौर्य): उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले के चुनार थाना क्षेत्र के भग्गल की मड़ई के पास प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी । बताया जा रहा है कि दोनों अप्रैल माह में घर से फरार हुए थे। इस मामले में नाबालिग प्रेमिका के घर वालों की तहरीर पुलिस ने दोनों को पकड़ा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक नाबालिग को भगाने के आरोप में प्रेमी श्यामलाल को जेल भेजा गया था। एक माह पूर्व जमानत पर आया था, लेकिन परिजनों की डर मिल नहीं पा रहे थे जिससे आहत होकर दोनो ने सुसाइड कर ली। वहीं घटना के बाद दोनों के परिवार में कोहराम मचा हैं।

नाबालिग प्रेमिका को भगाने के आरोप में प्रेमी गया था जेल

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक दोनो चुनार थाना क्षेत्र के रैपुरिया के रहने वाले हैं। प्रथम द्दष्टय दोनो ने प्रेम प्रसंग में ससाइड की घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल शवों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक माह पूर्व जमानत पर जेल से आया था प्रेमी

स्थानीय लोगों ने बताया कि चुनार थाना क्षेत्र के रैपुरिया में रहने वाले प्रेमी प्रेमिका एक ही बिरादरी के हैं। अप्रैल माह में प्रेमी नाबालिग प्रेमिका के साथ फरार हो गया था । मामला दर्ज होने पर नाबालिग को बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया था । जिसे जेल भेजा गया था। जमानत पर एक माह पूर्व छूटकर आया था । दोनों परिवारों के बीच समझौते की बात चल रही थी । इसी दौरान बीती आधी रात को दोनों अपने घरों से भाग निकले। उसके बाद सुबह सुसाइड की कर ली।

कांग्रेस कार्यकताओं ने आम जनता पर की ताबड़तोड़ थप्पडों की बरसात, गाजीपुर बॉर्डर पर जाम में फंसे लोगों पर अत्याचार

लखनऊ : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने संभल हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए जिले की ओर कूच कर दी थी। लेकिन यूपी बॉर्डर पर तैनात पुलिस ने उन्हें वहीं रोक लिया। कापी देर तक यहां हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। लेकिन जब कांग्रेस नेताओं के काफिले को संभल जाने की इजाजत नहीं मिली, तो सभी नेता वापस दिल्ली लौट गए। ऐसे में गाजीपुर बार्डर पर करीब तीन घंटे तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। जाम से परेशान लोगों ने जब विरोध किया तो कांग्रेस कार्यकताओं ने उनपर थप्पड़ बरसा दिए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने लोगों पर बरसाए थप्पड़

दरअसल, बुधवार सुबह संभल दौरे पर निकले राहुल और प्रियंका गांधी के काफिले के चलते गाजीपुर बॉर्डर पर करीब दो घंटे तनातनी का माहौल रहा। यहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के काफिले को रोकने के लिए सुबह से ही ट्रैफिक को रोक दिया गया था। जिसके चलते कई लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। ऑफिस जाने वाले लोग अपने गंतव्य नहीं पहुंच सके। घंटों जाम में फंसे रहने की वजह से लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साए लोगों की कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से झड़प हो गई। इस दौरान कुछ कार्यकताओं ने लोगों पर ताबड़तोड़ थप्पडों की बौछार कर दी। इस पर गुस्साए लोगों ने राहुल गांधी मुदार्बाद के नारे भी लगाए। अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग इस वीडियो पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

गाजीपुर बॉर्डर पर दे दनादन
कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आम जनता को ज

संभल जाने हेतु राहुल ने पुलिस से किया था अनुरोध

संभल में बीएनएस की धारा 163 लागू है। जिसके चलते राहुल-प्रियंका को गाजीपुर बॉर्डर पर रोक लिया गया था। इस दौरान राहुल गांधी ने पुलिस से अनुरोध किया था कि अगर प्रशासन नहीं चाहता है कि वह अपनी गाड़ी से संभल जाएं तो उन्हें अकेले जाने दिया जाए। लेकिन वह किसी भी हाल में संभल जाना चाहते थे।

संभल में प्रशासन ने जो कुछ भी किया है, वो बीजेपी के निर्देश पर किया, अखिलेश ने योगी पर फिर कसा तंज

लखनऊः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने को गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संभल मामले बीजेपी सरकार क्या छिपाना चाहती है? पहले दिन से ही समाजवादी पार्टी समेत सभी ने कहा है कि संभल प्रशासन ने जो कुछ भी किया है, वो बीजेपी के निर्देश पर किया है... वो किसी भी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। वो क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं?

ने जो
या है,
के
क्या
अखिलेश यादव

गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने राहुल गांधी को रोका

संभल जाने से पहले गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं लेकिन उन्हें इसकी भी अनुमति नहीं दी जा रही है। साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें संभल जाने से रोका जाना लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके विशेषाधिकारों का हनन है। संभल रवाना होने के बाद दिल्ली. गाजीपुर सीमा पर पुलिस द्वारा रोके जाने के पर राहुल ने संवाददाताओं से कहा, "हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, मगर पुलिस मना कर रही है। लोकसभा में नेता विपक्ष के नाते मेरा अधिकार बनता है कि मैं वहां जा सकता हूं। मगर तब भी वह मुझे रोक रहे हैं। यह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के मेरे अधिकार के खिलाफ है।" उन्होंने कहा, "मैंने कहा है कि मैं अकेला जाने को तैयार हूं... पुलिस के साथ जाने को तैयार हूं मगर उन्होंने वह भी बात नहीं मानी और अब कह रहे हैं कि कुछ दिन बाद वह हमें जाने देंगे।

संभल जाने से रोका जाना संविधान के खिलाफ राहुल :गांधी

राहुल ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, "यह (संभल जाने से रोका जाना) लोकतंत्र के खिलाफ है। हम संभल जाकर देखना चाहते हैं कि वहां क्या हुआ। हम लोगों से मिलना चाहते हैं लेकिन मेरा जो संवैधानिक अधिकार है, मुझे उससे वंचित किया जा रहा है। यह संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। अंबेडकर जी के संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। मगर हम लड़ते रहेंगे।" राहुल के साथ मौके पर मौजूद उनकी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी राहुल को रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, "संभल में जो हुआ, वह गलत है। राहुल जी नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके संवैधानिक विशेषाधिकार हैं जो बाकी लोगों से अलग हैं। उनको रोका नहीं जा सकता।" उन्होंने कहा, "राहुल जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में संवैधानिक अधिकार मिला है। उन्हें पीड़ितों से मिलने जाने दिया जाए।

शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिले में लगाई गई है धारा 163

हिंसा प्रभावित संभल में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रहे राहुल गांधी को बुधवार को रास्ते में दिल्ली–गाजीपुर सीमा पर रोक दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राहुल गांधी, प्रियंका और अन्य वरिष्ठ नेता गाजीपुर सीमा पर पहुंचे। उनके काफिले को अवरोधक लगाकर रोक दिया गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिले के जेलर-डिप्टी जेलर निलंबित, संभल हिंसा के आरोपियों से सपा नेताओं को मिलाने पर गिरी गाज

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के बाद से पुलिस-प्रशासन बेहद सख्त चल रही है। संभल हिंसा के बीच सपा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुरादाबाद की जेल में बंद आरोपियों से मुलाकात की थी। जिसके बाद मुरादाबाद जेल प्रशासन पर योगी सरकार का हंटर चला है। इस मामले में शासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है। साथ ही जेल अधीक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए शासन से सिफारिश की गई है। सूत्रों के मुताबिक सपा नेताओं को संभल हिंसा के आरोपियों से मुलाकात की अनुमति देने पर डिस्ट्रिक्ट जेल के जेलर पीपी सिंह और डिप्टी जेलर विक्रम सिंह यादव पर इस मामले में गाज गिरी है। दोनों अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने के लिए शासन को लिखा गया है।

जेल मैनुअल का नहीं हुआ पालन

बता दें कि आरोपियों से समाजवादी पार्टी के विधायक नवाब जान, चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान जेल मैनुअल का पालन नहीं किया गया था। आरोप है कि पूर्व सांसद एसटी हसन और विधायक नवाब जान के साथ कुछ नेताओं ने बिना पर्ची के ही हिंसा के आरोपियों से मुलाकात की थी।

नियमों का हुआ उलंघन

संभल में जिला जेल न होने की वजह से हिंसा के आरोपियों को मुरादाबाद की जेल में रखा गया है। नियमों के मुताबिक सांसद और विधायकों को अपने जिले की जेल में बंद कैदियों से मुलाकात करन के विशेष अधिकार दिए जाते हैं। लेकिन इन नेताओं ने नियमों का उलंघन करते हुए बिना पर्ची के आरोपियों से मुलाकात की।

क्या है पूरा मामला

संभल में 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए थे। इस मामले को लेकर सियासत की चिंगारियां हर दिन फैल रही हैं। सपा और कांग्रेस के नेता संभल जाने की जिद पर अड़े हुए हैं।

सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा : रानी

रोहतक पिछले महीने माह ही हॉकी को अलविदा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ह्यह्यसब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।ह्लह्ल उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,ह्यह्यमैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी हो सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।ह्लह्ल वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेंगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूनामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,ह्यह्यमैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी। वहीं सीनियार हॉकी टीम को इस पूर्व कप्तान कहा है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारतीय टीम ने एक प्रकार से 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इससे पता चलता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। रानी ने कहा, ह्यह्यएशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। यह अच्छी शुरूआत है। इससे तय है कि कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।

विराट दूसरे टेस्ट में कर सकते हैं ब्रैडमैन के एक रिकार्ड की बराबरी

एडीलेड भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली यहां 6 दिसंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के 75 साल पहले बनाये गये 11 शतक के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। ब्रैडमैन ने 1930 से 1948 के बीच इंग्लैंड में 19 मैचों में 11 शतक लगाए थे। ये किसी भी विदेशी बल्लेबाज की ओर से एक देश में सबसे ज्यादा बनाये गये अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकार्ड है। वहीं कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में अब तक 43 मैचों में 10 शतक लगाए हैं। ऐसे में उन्हें ब्रैडमैन की बराबरी के लिए एक और शतक की जरुरत है। इस सूची में वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स ने इंग्लैंड में 8 शतक, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज में 7 शतक, सचिन तेंदुलकर ने श्रीलंका में 9 शतक के अलावा इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी जैक हॉब्स ने ऑस्ट्रेलिया में 9 शतक लगाये हैं। विराट ने ऑस्ट्रेलिया में 43 मैचों में 54.20 की औसत से कुल 2710 रन बनाए हैं। इसमें दिसंबर 2014 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेली गई उनकी 169 की सबसे बड़ी पारी भी शामिल रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट की पहली पारी में विराट केवल 5 रन ही बना पाये थे। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 8 चौके और 2 छक्के की सहायता से 100 रन की पारी खेली थी। विराट के लय में आने से अब प्रशंसकों को उम्मीदे है कि वह दूसरे टेस्ट में भी बड़ी पारी खेलेंगे।

बुमराह का सामना करने तैयार हैं : कैरी

एडीलेड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कैरी ने कहा कि गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दिन-रात के इस मैच में बुमराह सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों का सामना सामना करने वह बेहतर रणनीत के साथ उतरेंगे। बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजों को ढ़हा दिया था। कैरी ने कहा,ह्यह्य बुमराह निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है पर हमारे बल्लेबाज भी किसी भी आक्रामण का जवाब देने का तरीका खोज ही लेते हैं।ह्लह्ल उन्होंने कहा,ह्यह्यहमने उसकी गेंदबाजी का आंकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने उसे जवाब दिया था।ह्लह्ल उन्होंने कहा,ह्यह्यहमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका खोज लेंगे। भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरी थी और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।ह्लह्ल वहीं जोश हेजलवुड के बल्लेबाजों को लेकर दिये बयान के बाद जहां टीम में दरार की बात की जा रही है वहीं कैरी ने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनका लक्ष्य शतक लगाना रहता है।

संभव हो तो माता-पिता के साथ समय व्यतीत करें: धर्मेंद्र

मुंबई हाल ही में जानेमाने अभिनेता धर्मेन्द्र ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। इस भावूक करने देने वाले पोस्ट में धर्मेंद्र ने माता-पिता के साथ समय बिताने का महत्व बताया और साथ ही एक गहरी सीख भी दी। धर्मेंद्र ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, जब तक संभव हो, अपने माता-पिता के साथ समय व्यतीत करें, क्योंकि एक दिन जब आप अपने व्यस्त जीवन से ऊपर देखेंगे, तो वो वहां नहीं होंगे। यह संदेश उनके जीवन अनुभवों और भावनाओं को बखूबी दशार्ता है। धर्मेंद्र के इस पोस्ट ने उनके फैंस के बीच चर्चा को जन्म दिया। कई लोगों ने यह सोचा कि क्या वह अपनी उम्र के इस पड़ाव पर अकेलापन महसूस कर रहे हैं, या क्या उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल अपने पिता को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे। हालांकि, देओल परिवार के मजबूत रिश्ते और सनी-बॉबी की अपने पिता के प्रति गहरी इज्जत को देखते हुए यह कहना गलत होगा कि परिवार में कोई समस्या है। पोस्ट के बाद धर्मेंद्र ने सनी देओल और अपने पोते के साथ कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें उनका पारिवारिक प्यार और खुशी साफ नजर आ रही थी। इससे यह साबित होता है कि उनके परिवार के बीच मजबूत संबंध बरकरार हैं और यह पोस्ट केवल एक जागरूकता संदेश के रूप में था। धर्मेंद्र अक्सर अपने फैंस को जिंदगी की अहमियत और रिश्तों को संजोने का संदेश देते रहते हैं। यह पोस्ट भी उसी कड़ी का हिस्सा था, जिसमें उन्होंने माता-पिता के साथ समय बिताने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका यह इमोशनल पोस्ट फैंस के लिए एक बड़ी सीख है कि व्यस्त जीवन के बावजूद हमें अपने माता-पिता और परिवार के साथ वक्त बिताना चाहिए।

उर्फी जावेद ने किया मशहूर बटरफ्लाई ड्रेस को बेचने का ऐलान

मुंबई अनोखे ड्रेसिंग स्टाइल के लिए जाने जानी वाली उर्फी जावेद की बढ़ती लोकप्रियता के बीच कुछ घटनाओं ने संकेत दिए हैं कि वह आर्थिक परेशानियों का सामना कर रही हो सकती हैं। हाल ही में उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी मशहूर बटरफ्लाई ड्रेस को बेचने का ऐलान किया। उन्होंने इस ड्रेस की कीमत 3 करोड़ 66 लाख 99 हजार रुपये रखी है। उर्फी ने पोस्ट के जरिए ड्रेस खरीदने के इच्छुक लोगों से संपर्क करने की अपील की। इतनी ऊंची कीमत देखकर लोगों ने कयास लगाए हैं कि शायद उर्फी को पैसों की जरूरत है। यह ड्रेस उनकी सबसे चर्चित क्रिएशन्स में से एक है, और इसे लेकर पहले भी काफी चर्चा हो चुकी है। इससे पहले उर्फी ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह बिना किसी सुरक्षा हार्नेस के एक ऊंची बिल्डिंग से लटकती नजर आईं। इस वीडियो के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, खतरों के खिलाड़ी के लिए मेरा ऑडिशन, कलर्स टीवी क्या आप देख रहे हैं? हालांकि, यह वीडियो एडिटेड था, लेकिन इसके खतरनाक स्टंट ने फैंस को चौंका दिया। कुछ लोगों ने यह मान लिया कि उर्फी इस खतरनाक स्टंट शो का हिस्सा बनने की तैयारी कर रही हैं। बाद में उर्फी ने खुलासा किया कि यह वीडियो सिर्फ मजाक के तौर पर बनाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी भी खतरों के खिलाड़ी जैसे शो में हिस्सा नहीं लेंगी, क्योंकि उन्हें खतरनाक स्टंट्स से डर लगता है। उर्फी की बटरफ्लाई ड्रेस बेचने का फैसला और उनके मजाकिया वीडियो ने एक बार फिर से उनकी चर्चा बढ़ा दी है। जहां एक तरफ कुछ लोग इसे उनकी क्रिएटिविटी का हिस्सा मान रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ का मानना ह

आराध्या कीबर्थडे पार्टी में अभिषेक की गैरमौजूदगी से लोग थे हैरान

मुंबई बालीवुड के हॉट कपल अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन13 साल की हो गईं। हाल ही में ऐश्वर्या ने अपने मायके में आराध्या का बर्थडे सेलिब्रेशन किया। इतना ही नहीं, इसकी तस्वीरें भी उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा कीं। हालांकि, इन तस्वीरों में अभिषेक बच्चन की गैरमौजूदगी ने फैंस को हैरानी में डाल दिया और सवाल उठाए जाने लगे कि क्या अभिषेक बेटी के बर्थडे में शामिल नहीं हुए। लेकिन हाल ही में सामने आए वीडियोज ने इस अफवाह पर विराम लगा दिया। आराध्या की बर्थडे पार्टी के ऑर्गेनाइजर्स द्वारा शेयर किए गए वीडियोज में अभिषेक बच्चन को भी देखा गया, जिससे यह साफ हो गया कि उन्होंने ऐश्वर्या के साथ मिलकर बेटी का 13वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। ऑर्गेनाइजर्स ने खुलासा किया कि ऐश्वर्या और अभिषेक ने उन्हें धन्यवाद दिया क्योंकि पिछले 13 वर्षों से वे आराध्या के बर्थडे सेलिब्रेशन की व्यवस्था कर रहे हैं। वीडियोज में अभिषेक और ऐश्वर्या दोनों ने अपने-अपने सोलो वीडियो शूट किए थे, जिन्हें ऑर्गेनाइजर्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि दोनों माता-पिता अपनी बेटी के इस खास दिन पर मौजूद थे और जश्न में हिस्सा लिया। हालांकि, ऐश्वर्या और अभिषेक की शादीशुदा जिंदगी को लेकर लंबे समय से तलाक की अफवाहें चल रही हैं। इन अफवाहों की वजह यह है कि दोनों को अक्सर अलग-अलग इवेंट्स और पार्टियों में देखा जाता है। फैंस का मानना था कि दोनों के रिश्तों में खटास आ चुकी है। लेकिन आराध्या के बर्थडे पर दोनों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि उनके रिश्ते को लेकर उड़ रही खबरें केवल अफवाहें हो सकती हैं। बच्चन परिवार के करीबी सूत्रों का कहना है कि अभिषेक और ऐश्वर्या अपनी बेटी के साथ समय बिताने को प्राथमिकता देते हैं और पारिवारिक खुशियों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध्र रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा
हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार